दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 101 | लखनऊ, रविवार, 27 अक्टूबर, 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

एमिटी विश्वविद्यालय में ओज़ोन दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज

लखनऊ।एमिटी विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग व छात्र कल्याण विभाग द्वारा 23 अक्टूबर 2019 को ओज़ोन दिवस बडे धूम-धाम से मनाया गया जिसमे विभाध्यक्ष डा. मंजू अग्रवाल, डा. पूजा, डा. ज्योती प्रकाश, डा. रिचा आदि शिक्षकगणॉ व लगभग 50 से अधिक की संख्या में छात्र-छात्राए उपस्थित हुये ।

इस अवसर पर स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज के महा-निदेशक व पूर्व अध्यक्ष ईस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स, लखनऊ, डॉ0 भरत राज सिंह जो वरिष्ट पर्यावरणविद है, मुख्य-अतिथि व वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। विभाध्यक्ष डा. मंजू अग्रवाल ने मुख्यवक्ता, अन्य आगंतुको तथा हाल में उपस्थित सभी का स्वागत किया। उक्त क्रम में, डॉ0 भरत राज सिंह ने अपने उद्बोधन मे बताया कि ओजोन परत मे छिद्र को ठीक करने और जलवायु की रक्षा के लिए तीन दशकों से पृथ्वी के चारो तरफ ओजोन परत की मोटाई बनाने मे सार्थक प्रयास किये जा रहे है जिससे लोगों के स्वास्थ को ठीक रखा जा सके और पृथ्वी को संरक्षित किया जा सके। हमे ज्ञात है कि रेफ्रिजरेटर, एयर-कंडीशनर और कई अन्य उत्पादों में 99 प्रतिशत ओजोन-क्षयकारी रसायनों का उपयोग हो रहा था, इसका अन्य विकल्प ढूढा गया और आगे भी प्रयास जारी है। 2018 के आकणो से यह जानकारी मिली कि 2000 के बाद से ओजोन परत के कुछ हिस्सों मे प्रति दशक 1-3त्न की दर से बढोत्तरी हुई है। अनुमानित दरों पर, उत्तरी गोलार्ध और मध्य-अक्षांश पर ओजोन 2030 तक पूरी तरह से ठीक हो जायेगी । परंतु यह प्रयास दक्षिणी गोलार्ध पर 2050 और ध्रुवीय क्षेत्रों में 2060 तक चलेगा। ओजोन परत संरक्षण के प्रयासों ने 1990 से 2010 तक अनुमानित 135 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन को रोककर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में बहुमूल्य योगदान दिया है।उन्होने सभी लोगों व विशेषकर छात्र-छात्राओ को ओजोन परत के रिपेयर, पर्यावरण संरक्षण हेतु और पृथ्वी को हरा-भरा रखने व स्वच्छता अभियान चलाने तथा सिंगल उपयोग की प्लास्टिक को बंद करने का जन-जागरण अभियान चलाकर लोगो को प्रोत्साहित करने का संकल्प दिलाया। अंत में डा. ज्योती प्रकाश, ने सभी आगंतुको व कार्यशाला में भाग लेने वालो को धन्यवाद पारित किया और छात्र-छात्राओ से भी ओजोन परत को रिपेयर करने का आवाहन किया ।